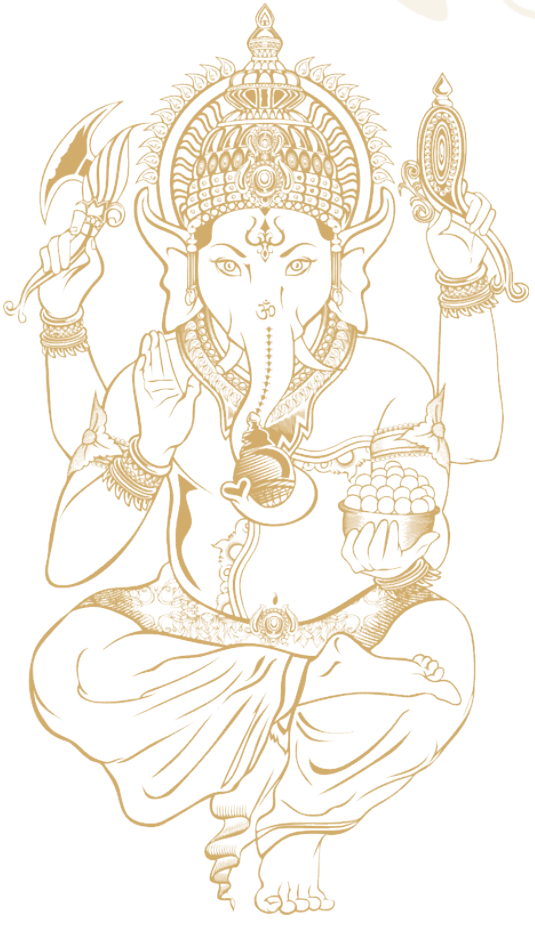

Harmandeep

31 May 1996

11:35 PM

Muktsar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121922303

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31/05/1996**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**23:35:00 घंटे**
इष्ट	45:11:27 घटी
स्थान	**Muktsar**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:30:00 उत्तर
रेखांश	74:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:03:16 घंटे
वेलान्तर	00:02:20 घंटे
साम्पातिक काल	15:41:19 घंटे
सूर्योदय	05:30:25 घंटे
सूर्यास्त	19:28:42 घंटे
दिनमान	13:58:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	16:44:26 वृष
लग्न के अंश	18:38:23 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शिव
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	18:38:23	440:55:07	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
सूर्य			वृष	16:44:26	00:57:29	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	01:36:14	14:22:24	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			मेष	27:38:21	00:43:36	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
बुध			मेष	26:25:38	00:17:44	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
गुरु	व		धनु	22:43:16	00:04:49	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र	व		मिथु	01:51:19	00:26:53	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	11:42:51	00:04:28	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	22:00:40	00:05:56	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	22:00:40	00:05:56	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	10:33:49	00:01:05	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:40:28	00:00:58	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	07:40:54	00:01:38	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			वृश्चि	03:47:51	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:28

लग्न-चलित

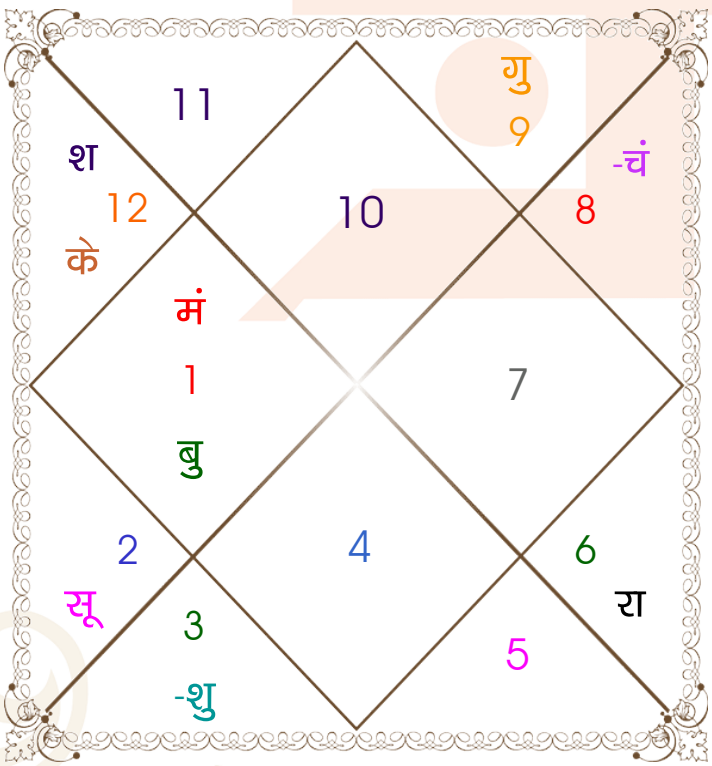

चन्द्र कुंडली

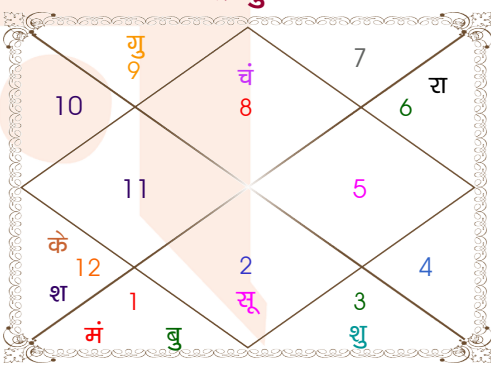

नवमांश कुंडली

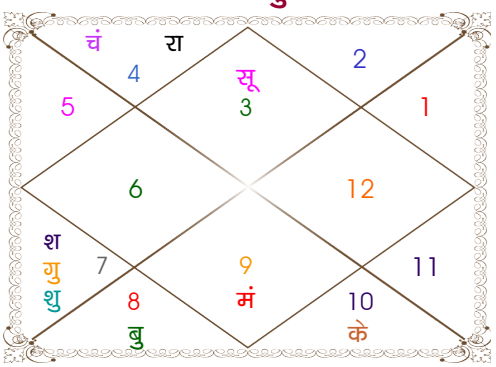

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 0 मास 27 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
31/05/1996		28/06/1998		28/06/2017		28/06/2034		28/06/2041	
28/06/1998		28/06/2017		28/06/2034		28/06/2041		28/06/2061	
	00/00/0000	शनि	01/07/2001	बुध	25/11/2019	केतु	25/11/2034	शुक्र	28/10/2044
	00/00/0000	बुध	10/03/2004	केतु	21/11/2020	शुक्र	25/01/2036	सूर्य	28/10/2045
	00/00/0000	केतु	19/04/2005	शुक्र	22/09/2023	सूर्य	01/06/2036	चंद्र	29/06/2047
	00/00/0000	शुक्र	19/06/2008	सूर्य	28/07/2024	चंद्र	31/12/2036	मंगल	28/08/2048
	00/00/0000	सूर्य	01/06/2009	चंद्र	28/12/2025	मंगल	29/05/2037	राहु	29/08/2051
	00/00/0000	चंद्र	31/12/2010	मंगल	25/12/2026	राहु	16/06/2038	गुरु	29/04/2054
	00/00/0000	मंगल	09/02/2012	राहु	13/07/2029	गुरु	23/05/2039	शनि	28/06/2057
	31/05/1996	राहु	16/12/2014	गुरु	19/10/2031	शनि	01/07/2040	बुध	28/04/2060
राहु	28/06/1998	गुरु	28/06/2017	शनि	28/06/2034	बुध	28/06/2041	केतु	28/06/2061

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/06/2061		29/06/2067		28/06/2077		28/06/2084		29/06/2102	
29/06/2067		28/06/2077		28/06/2084		29/06/2102		01/06/2116	
सूर्य	16/10/2061	चंद्र	28/04/2068	मंगल	24/11/2077	राहु	11/03/2087	गुरु	17/08/2104
चंद्र	16/04/2062	मंगल	27/11/2068	राहु	13/12/2078	गुरु	04/08/2089	शनि	28/02/2107
मंगल	22/08/2062	राहु	29/05/2070	गुरु	19/11/2079	शनि	10/06/2092	बुध	05/06/2109
राहु	17/07/2063	गुरु	28/09/2071	शनि	28/12/2080	बुध	28/12/2094	केतु	12/05/2110
गुरु	04/05/2064	शनि	28/04/2073	बुध	25/12/2081	केतु	16/01/2096	शुक्र	10/01/2113
शनि	16/04/2065	बुध	28/09/2074	केतु	23/05/2082	शुक्र	15/01/2099	सूर्य	29/10/2113
बुध	21/02/2066	केतु	29/04/2075	शुक्र	23/07/2083	सूर्य	10/12/2099	चंद्र	28/02/2115
केतु	28/06/2066	शुक्र	28/12/2076	सूर्य	28/11/2083	चंद्र	11/06/2101	मंगल	04/02/2116
शुक्र	29/06/2067	सूर्य	28/06/2077	चंद्र	28/06/2084	मंगल	29/06/2102	राहु	01/06/2116

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 0 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के तृतीय चरण में मकर लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन नवमांश एवं वृषभ द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप आपके जन्म के साथ-साथ लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का शुभागमन की स्थापना हो रही है। अर्थात् आपका जीवन ज्ञान और लक्ष्मी दोनों से युक्त रहेगा। देवी-देवता द्वारा ज्ञान एवं लक्ष्मी की वृद्धि आपके पक्ष में होगी। आपका जीवन सुखी एवं आनंदपूर्ण रहेगा। आप बहुत बड़ी भाग्यशाली हैं। आपके पति आकर्षक एवं घर-परिवार को सुव्यवस्थित रखने वाले तथा संतान समझदार होंगे।

आप गायन कला की गहन शिक्षा प्राप्त कर गायन कला में निपुणता प्राप्त कर आप अपने कर्म क्षेत्र का विस्तार करेंगी। साथ ही ज्योतिष एवं गणितीय शिक्षा में सर्वथा संभाव्य अभिरूचि रखेंगी। आपके सामान्य ज्ञान की छाप बहुत लोगों पर प्रभाव डालेगी तथा जो व्यक्ति आपसे संबंधित रहेंगे। वे लोग आपके पास पहुंच कर, वे बहुत विषयों से संबंधित आपकी राय एवं निर्देशन प्राप्त करेंगे।

अतएव आप संबंधित व्यक्ति द्वारा धन का संचय करेंगी। आप भाग्यशाली हैं। आप अपने जीवन की आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष के मध्य सर्वाधिक लाभ उपार्जन हेतु उंची छलांग लगाकर अपनी जड़ को सुदृढ़ कर लेंगी। आप ऐसी आशा कर सकती हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान एवं आंतरिक अपार शक्ति के सम्मिलन से अतिरिक्त धन प्राप्ति एवं समृद्धि हेतु अपनी क्षमता के अनुरूप कठिन श्रम करेंगी। आप अपनी आत्मिक शक्ति के आधार पर किसी भी प्रकार के कार्य व्यवसाय के पीछे पड़ कर कार्यारंभ कर सकेंगी। चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं। आप उसका सामना करेंगी। आप किसी भी विषय पर बहुत अधिक चिंता करती हैं। आप इन चिंताओं का परित्याग करे अन्यथा कुछ वर्षों के बाद आपको पाचन क्रिया की विकृत्ति जैसी समस्याओं को झेलना पड़ेगा। आपको कतिपय रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। यथा उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति में बृद्धि, गठिया संबंधित रोग जनित पीड़ा एवं क्षय रोगादि के कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप इन विंदुओं पर समय-समय पर चिकित्सा संबंधी जांच कराती रहें।

आप दानशील प्रवृति की प्राणी हैं। आप उदारभाव से संस्थाओं को दान करेंगी तथा स्वयंसेवी होकर सामाजिक सेवा करेंगी। आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्रवृति की प्राणी होकर अनेक तीर्थस्थलों का भ्रमण करेंगे।

आपके लिए अंकों में उत्तम अंक 6, 8 एवं 9 अंक लाभप्रदायक होगा। परंतु अंक 3 का सर्वथा त्याग करे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन उत्तम फलदायी है। परंतु रविवार, सोमवार एवं बृहस्पतिवार का दिन आपके लिए समस्याग्रस्त रहेगा। अतएव इन दिनों का परित्याग करें।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग सर्वथा अनुपयुक्त है। आपके लिए व्यवहारणीय रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उपयुक्त है।